IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

खण्डवा जिले के पर्यटन स्थल – सामान्य अध्यन

डॉ, अजय वाघे
प्राचार्य
विद्योदय महाविद्यालय मनावर, धार

साजिद मंसूरी
सहायक प्राध्यापक
डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय, खण्डवा,

शोध सारांश –

निमाड़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पूर्व निमाड अथवा खंडवा में पर्यटन स्थलों की बात करें तो, पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी है। खंडवा जिले के अंतर्गत ओम्कारेश्वर है ,जो एक धार्मिक नगरी है। यहां पर भारत का प्रमुख ज्योतिर्लिंग है ओम्कारेश्वर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है, जिससे सभी प्रकार के पयटक भ्रमण करने आते हैं । दादाजी धूनीवाले का मंदिर जिसके कारण खंडवा को दादाजी की नगरी भी कहा जाता है। मध्य प्रदेश का स्विट्जरलैंड हनुवंतिया भी खंडवा जिले के अंतर्गत आता है । संत महात्माओं की बात करें तो संत सिंगाजी महाराज का मंदिर भी खंडवा जिले मे है । इसके अतिरिक्त किशोर कुमार स्मारक , बोरिया माल टापू , नागचुन पार्क एवं तालाब में खंडवा को शान बढ़ाता है। इसके अलावा भी खंडवा जिले में अन्य पर्यटन स्थल उपस्थित है जिससे पर्यटक वर्ष भर आते रहते हैं । पर्यटन स्थलों का अपना अलग आर्थिक एवं धार्मिक महत्व है जिसका सामान्य परिचय इस शोधपत्र में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है ।

शब्द कुंजी - पर्यटन, पर्यटक, निमाड़, पूर्व निमाड़, खंडवा।

प्रस्तावना - 1 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश की स्थापना के साथ हो खंडवा जिले की स्थापना की गई। पूर्व में खंडवा जिले का नाम पूर्व निमाड़ था। स्थापना के समय पर खंडवा जिले में बुरहानपुर भी शामिल था, परंतु कुछ समय पश्चात वर्ष 2003 में बुरहानपुर को खंडवा जिले से पृथक कर बुरहानपुर जिला बनाया गया। खंडवा जिले का अपना इतिहास रहा है यहां पर 12 वीं सदी के मंदिर अभी विद्यमान है। ऐतिहासिक महत्व के साथ–साथ खंडवा का संबंध राजनीति एवं मनोरंजन के क्षेत्र से भी रहा है। किशोर कुमार जो फिल्मी जगत के सितारे हुए हैं का जन्म खंडवा जिले में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से अगर देखा जाए तो खंडवा जिले में सूत मिलों की संख्या अधिक थी साथ ही अन्य उद्योग में स्थापित हुए। खंडवा जिला रेलवे एवं सड़क मार्ग के द्वारा पूरे भारतवर्ष से जुड़ा हुआ है। कृषि के विषय पर देखें तो यहां के मुख्य फसलें सोयाबीन, कपास, गेहूं तथा अन्य फसलें हैं। इसी तरह पर्यटन

की बात करें तो खंडवा जिले में बहुत महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है जैसे – ओम्कारेश्वर जो अपन आप में एक महत्वपूर्ण स्थान है। पूरे भारत से पर्यटक ओमकारेश्वर में घूमने आते हैं। इसके अतिरिक्त खंडवा जिले में पर्यटन के और भी स्थल है जैसे हनुवंतिया टापू ,दादाजी धूनीवाले का मंदिर, नवचंडी मंदिर, इंदिरा सागर बांध, नागचुन पार्क एवं तालाब, सिंगाजी महाराज का मंदिर एवं समाधि आदि। खंडवा जिले के पर्यटक स्थलों का धार्मिक महत्व के साथ–साथ आर्थिक महत्व भी है। पर्यटन का क्षेत्र किसी भी देश अथवा राज्य के लिए आर्थिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण ह। पर्यटन से किसी भी क्षेत्र का आर्थिक विकास होता है , साथ ही विभिन्न व्यक्तियों द्वारा पर्यटन क्षेत्रों की सभ्यताओं का भी विकास होता है ।

उद्देश्य -

किसी उददेश्य के बिना किसी कार्य को करना अंधेरे मे सूई ढुंढने के समान माना जाता है इसलिए हमारे कार्य के प्रति निम्न उददेश्यों का ध्यान मे रखकर इस शोधपत्र को तैयार किया गया है।

1. खंडवा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का अध्ययन प्रस्तुत करना ।

2. खंडवा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के महत्व का अध्ययन प्रस्तुत करना ।

खंडवा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल - पूर्व निमाड अथवा खंडवा मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है। जिले का संबंध कई संत महात्माओं से रहा है। खंडवा जिले को दादाजी की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। भाषा के रूप में प्रमुख रूप से हिंदी का प्रयोग किया जाता है। महाराष्ट्र राज्य से लगा होने के कारण कुछ स्थानों पर मराठी भी बोली जाती है। निमाड़ क्षेत्र में होने के कारण यहां के क्षेत्रीय बोली निमाड़ी है। पर्यटन केंद्रां के संबंध में देखा जाए तो पर्यटन के बहुत से केंद्र है, जिनमें से प्रमुख पर्यटन स्थलों का अध्ययन प्रस्तुत किया जा रहा है ।

ओमकारेश्वर - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों में स 1 ज्योतिर्लिंग खंडवा जिले के ओमकारेश्वर में है। भगवान शिव के 2 मंदिर एक ओमकारेश्वर एवं दुसरा ममलेश्वर है। ओमकार पर्वत पर स्थित होने के कारण इस स्थान का नाम ओमकारेश्वर पड़ा। ऐसा माना जाता है कि ओमकारेश्वर में सभी हिंदू देवी देवताओं के मंदिर हैं। प्राकृतिक रूप से देखा जाए तो ओमकारेश्वर में नर्मदा नदी का प्रवाह है, साथ में वन संपदा भी अधिक मात्रा में है। ओमकारेश्वर में वर्ष भर पर्यटक आते रहते हैं, यहां पर ऐसा स्थान है, जहां पर सभी धर्मों के पर्यटक आते हैं। ओमकारेश्वर खंडवा रेल्वे स्टेशन से लगभग 70 किलोमीटर दूर है। ओमकारेश्वर जाने के लिए रेल, सड़क एवं हवाई यातायात के साधन उपलब्ध है। हवाई जहाज से पहुंचने के लिए इंदौर में हवाई अड्डे पर उतर कर सड़क मार्ग से जाया जा सकता है। रेलवे के माध्यम से जाने के लिए खंडवा अथवा इंदौर रेलवे स्टेशन पर उतरकर बाद में सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है।

दादाजी मंदिर - निमाड़ की भूमि संत एवं महापुरुषों की भूमि रही है। इनमें से एक महान संत हुए हैं, जिनका नाम दादाजी धूनीवाले हैं। दादाजी धूनीवाले का संबंध खंडवा जिले से होने के कारण खण्डवा को दादाजी धूनीवाले की नगरी भी कहा जाता है। दादा जी अनेक जगहों से भ्रमण करते हुए खंडवा आये और खंडवा में ही बस गए और अंततः यहीं पर सन 1930 में समाधि ले ली। समाधि लेने के बाद समाधि स्थल पर ही एक वृहद मंदिर का निर्माण किया गया। दादाजी के देश और दुनिया में सैकड़ों भक्त हैं। जुलाई–अगस्त में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक बहुत बड़ा मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें लाखों की संख्या में भक्त पूरे भारतवर्ष

से आते हैं। मेले के उपलक्ष में पूरे शहर को सजाया जाता है तथा भक्तों का गरिमापूर्ण रूप से स्वागत किया जाता है। मेले की अवधि के अलावा भी वर्षभर भक्तों एवं पयंटकों का आना जाना लगा रहता है। दादा जी मंदिर विशाल क्षेत्र में बना है, जिससे मंदिर बहुत मनमोहक दिखाई पड़ता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण दादाजी मंदिर एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी बन गया है।

हनुवंतिया टाप् - मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मध्यप्रदेश में खंडवा जिले के विकास एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए खंडवा जिले की मूंदी तहसील के अंतर्गत हनुवंतिया टापू को प्रारंभ किया। हनुवंतिया टापू को हनुमंतिया टापू भी कहा जाता है। खंडवा जिले में स्थित इंदिरा सागर बांध के निर्माण से झील का निर्माण हुआ इसी झील को विकसित कर हनुवंतिया टापू बनाया गया। हनुवंतिया टापू को मध्य प्रदेश का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। कुछ अन्य इसे मध्यप्रदेश के गोवा के नाम से भी जानते हैं। हनुवंतिया टाप् इस प्रकार से निर्मित किया गया है, कि इसके किनारे से देखने पर दूर–दूर तक पानी दिखाई देता है। जिससे यह समुद्र के समान दिखाई पड़ता है। इस स्थान पर प्रतिवर्ष जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आनंद लिया जाता है। यहां पर नौका विहार की सुविधा उपलब्ध लब्ध है। इसके अतिरिक्त यहां पर आवास एवं भोजन की सुविधा का लाभ भी लिया जा सकता है। वर्ष भर यहां पर पर्यटक आते रहते हैं। हनुवंतिया टापू तक पहुंचने के लिए रेल्वे, सड़क एवं हवाई यातायात के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

संत सिंगाजी के मंदिर एवं समाधि - जैसा की सर्वविदित है, कि निमाड़ मैं संत महात्माओं के मंदिर समाधि स्थल स्थित है, उन्ही में से एक संत सिंगाजी का मंदिर। इस समाधि स्थल खंडवा जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल संत सिंगाजी निर्माण क्षेत्र के प्रमुख संत के रूप में विख्यात है। निमाड के बड़वानी जिले की जन्मस्थली होने के बाद उन्होंने समाधि,खंडवा जिले में ली। संत सिंगाजी को निमाड़ के लोग भगवान के समान पूजते हैं। खंडवा जिले के ग्राम सिंगाजी मे संत सिंगाजी महाराज का 2010 में एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया गया। यहां प्रतिवर्ष अगस्त – सितंबर के समय दस दिवसीय मले का आयोजन किया जाता है। मंदिर एम समाधि स्थल पर दूर–दूर से भक्त एवं पर्यटक आते हैं। पर्यटन की दृष्टि से देखें तो यहां पर विभिन्न स्थानों से पर्यटक आते रहते हैं। मंदिर एंव समाधि स्थल पहुंचने के लिए किसी भी यातायात साधन का उपयोग किया जा सकता है।

किशोर कुमार स्मारक - खंडवा जिले का संबंध सिर्फ संत महात्माओं से ही नहीं है, इसके अतिरिक्त खंडवा का संबंध अभिनेता गायक कलाकारों आदि से भी है। इसी में से एक है किशोर कुमार। किशोर कुमार की जन्म स्थली खंडवा रही है। किशोर कुमार अकेले ऐसे व्यक्ति थे जो, अभिनेता के साथ–साथ गायक, संगीत, निर्देशक, फिल्म प्रोड्यूसर तथा फिल्म निर्देशक भी हुए। इन सभी प्रतिभाओं के साथ किशोर कुमार विश्व प्रसिद्ध हुए। किशोर कुमार की याद मे खंडवा जिले में किशोर कुमार स्मारक की स्थापना की गई है। कशोर कुमार स्मारक इस प्रकार से बनाया गया है कि दूर से ही किसी भी व्यक्ति को मनमोहन ले। इन्हीं विशेषताओं के कारण विभिन्न स्थानों से पर्यटक किशोर कुमार स्मारक को देखने आते हैं। खंडवा जिले में शहरी क्षेत्र में ही होने के कारण यहां पर आसानी से पहुंचा जा सकता है।

बोरियामाल टापू - बोरियामाल टापू इंदिरा सागर जलाशय में स्थित एक टापू हनुवंतिया से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर जलाशय के मध्य में ह। बोरियामाल टापू तक जाने के लिए हनुवंतिया टापू

से नौका के माध्यम से जाया जा सकता है। इस टापू पर एक घना जंगल है, तथा विभिन्न प्रकार के जंगली जानवर भी मौजूद है। प्राकृतिक रूप से हरा–भरा होने से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इस जगह का नाम बोरियां माल इसलिए पड़ा क्योंकि डूब से पूर्व यहां पर बेर के पेड़ का जंगल था, तथा यहां के गांव का नाम बोरियामाल था। बोरियामाल एक ऐसा गांव है जहां पर अधिक शोर शराबा नहीं है तथा पर्यटकों की संख्या भी अधिक नहीं होती है। यह स्थल उन पर्यटकों के लिए अच्छा है जिन्हें एकांत पसंद है। यहां पर वन विभाग के सुरक्षा गार्ड निरंतर सुरक्षा में लगे रहते हैं।

नागचून पार्क एव तालाब - खंडवा शहर से लगभग 2 से 3 किलोमीटर दूरी पर नागचून गांव से थोड़ा बाहर की ओर एक तालाब का निर्माण किया गया। तालाब बनाने का मुख्य उद्देश्य शहर को जल की आपूर्ति करना थो। तालाब से संपूर्ण शहर एवं अन्य क्षेत्रों में जल पहुंचाया जाता था, वर्तमान में नर्मदा जल की व्यवस्था हाने पर यहां से जल की पूर्ति कम हो गई। नागचून तालाब को विकसित करने की प्रक्रिया में तालाब के साथ ही पार्क भी बनाया गया है। इस पार्क में एक टॉय ट्रेन भी संचालित है। कुछ समय पूर्व यहां पक्षियों का आवागमन बहुत अधिक था, किंतु वर्तमान में थोड़ा कम हो गया है। यहां पर पर्यटक वर्ष भर आते हैं। यहां के तालाब में पार्क का आनंद लेते हैं, किसी विशेष दिवस पर यहां पर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

निष्कर्ष - पर्यटन की दृष्टि से देखा जाए तो खंडवा जिले में और भी बहुत से पर्यटन स्थल मौजूद है। यहां पर प्रमुख पर्यटन स्थलों का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त खंडवा से बुरहानपुर जिले के अलग जिला बनने पर भी बहुत से पर्यटन स्थल बुरहानपुर जिले में चले गए जैसे असीरगढ़ का किला आदि। किसी भी देश या क्षेत्र में पर्यटन का अपना अलग महत्व है। पर्यटन से किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पर्यटकों का क्षेत्र में आवागमन होने पर पर्यटक उस क्षेत्र विशेष की सभ्यता संस्कृति को सीखते हैं। जिससे क्षेत्र की सभ्यता संस्कृति का विकास होता है। पर्यटन के संबंध में खंडवा जिले की बात करें तो जिले के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

शोध संदर्भ ग्रंथ सूची –

1 तिवारी हंसा, नवीन शोध संसार पृष्ठ संख्या 412
2 दुबे तरुण, नवीन शोध संसार पृष्ठ संख्या 22
3 झा अशोक कुमार, नवीन शोध संसार पृष्ठ संख्या 179
4 चौबे मधुसुधन, नवीन शोध संसार पृष्ठ संख्या 318
5. Khandwa.nic.in
6. m.patrika.com
7. en.m.wikipedia.org
8. मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान, पुणेकर पब्लिकेशन इंदौर ।